BSWE-003
BSWE-005
BSWE-006

समाज कार्य में स्नातक उपाधि

(बी.एस.डब्ल्यू. - तृतीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2014–15

पाठ्यक्रम शीर्षक

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–003 : समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–005 : एच.आई.वी./एड्स का परिचय

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–006 : मादक द्रव्य दुरूपयोग और परामर्श

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई सत्र – मार्च 31, 2015

जनवरी सत्र – सितम्बर 30, 2015

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू. तृतीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-003, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-005, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-006 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

जुलाई 2007 सत्र से बी.एस.डब्ल्यू. के सभी विद्यार्थियों को क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम) : 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जिसे आप निम्नलिखित से प्राप्त करेंगे :

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के आपके अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यता प्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप इसके बारे में अध्ययन केंद्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप समाज कार्य विद्यापीठ में डॉ. सायन्तनी,, कार्यक्रम संयोजक, ई–मेलः sayantani@ignou.ac.in पर संपर्क कर सकते हैं।

बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम करने के लिए आपके पास 6 साल हैं। जर्नल जमा करने के लिए कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं है। आप यह सुनिश्चित करें कि 6 वर्षों में आपने थ्योरी और प्रैक्टिम पूर्ण कर लिए हैं। आप अपना जर्नल अध्ययन केंद्र में किसी भी समय जमा कराने के लिए स्वतंत्र है। मूल्यांकन विभाग जर्नल का मूल्यांकन साल में दो बार यानि कि जून और दिसंबर के सत्रांत परीक्षा के साथ करता है। इस उद्देश्य के लिए आप जर्नल क्रमशः 30 मई और 30 नवंबर तक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली में अवश्य जमा करा दें।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। सत्रीय कार्य हस्तलिखित और साफ तौर पर टाईप और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।

सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

चूंकि समाज कार्य एक व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम है, इसलिए विद्यार्थियों को नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) में विद्यार्थी सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप www.napswi online.org पर लॉग ऑन कर सकते हैं। आप समाज कार्य और इससे जुड़े विषयों पर संबंधित सेमीनार, सम्मेलन और कार्यशाला में भाग भी लेना चाहेगें। NAPSWI e-journal आपको नियमित आधार पर अन्य सूचना के साथ–साथ यह जानकारी प्रदान करेगा जो समाज कार्यकर्ताओं और अर्ध–व्यावसायिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

समाज कार्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित किए जाने वाले सेमिनार, कान्फ्रेंसस और समाज कार्य व्यावसायिकों एवं विद्यार्थियों की बैठकों के बारे में जानकारी के लिए www.ignou.ac.in पर लॉग आन करें, विद्यापीठ पर क्लिक करें और फिर समाज कार्य विद्यापीठ पर क्लिक करें।

(डॉ. सायन्तनी गुइन)
कार्यक्रम संयोजक

समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई.–003

कुल अंक : 100

नोट : i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. रोथमैन द्वारा दिए गए सामुदायिक संगठन के प्रारूपों का विवरण दीजिए। 20

अथवा

सामाजिक परिवर्तन लाने में सामाजिक क्रिया कैसे मदद करती है? 20

2. समाज कल्याण प्रशासन की अवधारणा, प्रकार्य एवं क्षेत्र की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

भारत में लड़कियों की शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारकों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **250** (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।

i) सामुदायिक संगठन के सिद्धांतों की चर्चा कीजिए। 10

ii) एक संगठन के लिए बजट कितना महत्वपूर्ण है? 10

iii) जेण्डर संवेदनशील सामुदायिक संगठन अभ्यास की प्रासंगिकता की चर्चा उपयुक्त उदाहरणों के साथ कीजिए। 10

iv) समाज कार्य अनुसंधान के कदमों को सूचीबद्ध कीजिए। 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) **150** शब्दों में दीजिए।

i) सामुदायिक कार्यकर्ता की विभिन्न भूमिकाओं को सूचीबद्ध कीजिए। 5

ii) PWDV अधिनियम 2005 की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

iii) सामाजिक अनुसंधान की वैयक्तिक अध्ययन विधि को संक्षेप में समझाइए। 5

iv) न्यायपालिका एवं पुलिस की विभिन्न भूमिकाओं को सूचीबद्ध कीजिए। 5

v) सामुदायिक कार्य में गांधीवादी दृष्टिकोण से आप क्या समझते हैं? 5

vi) सामाजिक क्रिया एवं सामाजिक आंदोलन के मध्य क्या कोई संबंध है? 5

5 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए।

i) प्राथमिक एवं द्वितीय आंकड़े 4

ii) POSDCORB 4

iii) गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुसंधान 4

iv) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन 4

v) अन्तरविवेकीकरण की अवधारणा 4

vi) भारत में NGOs की भूमिका 4

vii) सशक्तिकरण की अवधारणा 4

viii) सामुदायिक विकास 4

एच.आई.वी./एड्स का परिचय

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.एस.डब्ल्यू.ई.–005

कुल अंक : 100

नोट : i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. एच.आई.वी./एड्स के वैश्विक परिदृश्य का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20

अथवा

भारत में एच.आई.वी./एड्स के इतिहास का पता लगाइए। 20

2. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के घटनों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

STDs को परिभाषित कीजिए। कुछ सामान्य एस.टी.डी., उनके लक्षण एवं उपचार के विकल्पों का वर्णन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **300** (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।

i) महिलाओं में एच.आई.वी. संचरण के विभिन्न तरीकों को समझाइए। 10

ii) एच.आई.वी./एड्स की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए। 10

iii) एच.आई.वी. के लिए विभिन्न प्रकार के परीक्षण एवं रणनीतियाँ क्या हैं? 10

iv) एच.आई.वी. रक्त एवं रक्त उत्पादों के माध्यम से कैसे फैलता है? 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) **150** शब्दों में दीजिए।

i) एच.आई.वी./एड्स के संदर्भ में गोपनीयता के महत्व को समझाइए। 5

ii) बच्चे में एच.आई.वी. संचरण कैसे होता है? 5

iii) एच.आई.वी./एड्स महामारी के विभिन्न नैतिक मुद्दों की चर्चा कीजिए। 5

iv) एच.आई.वी./एड्स संचरण से संबंधित मिथक एवं गलत धारणाएँ क्या हैं? 5

v) एड्स रोकथाम के लिए आई.ई.सी. रणनीति के घटकों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

vi) पारंपरिक पैलेटिव देखभाल एवं एड्स पैलेटिव देखभाल के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए।

i) व्यावसायिक यौन कर्मी 4

ii) पालन परामर्श 4

iii) एलिसा परीक्षण 4

iv) सूचित सहमति 4

v) सहानुभूति 4

vi) आश्रम (Hospice) देखभाल 4

vii) मादक द्रव्य दुरुपयोग 4

viii) आई.ई.सी. 4

मादक द्रव्य दुरूपयोग और परामर्श
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः बी.एस.डब्ल्यू.ई.–006

कुल अंक : 100

नोट : i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. मादक द्रव्य दुरुपयोग के इतिहास का पता लगाइए। 20

अथवा

भारत में मादक द्रव्य दुरुपयोग के विस्तार एवं प्रसार पर चर्चा कीजिए। 20

2. व्यसन क्या है? व्यसन के विभिन्न चरणों एवं आर्थिक परिणाम को समझाइए। 20

अथवा

व्यसन के लिए विभिन्न उपचार के चरणों का वर्णन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **300** (प्रत्येक) शब्दों में दीजिए।

i) मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं एच.आई.वी./एड्स के मध्य संबंध की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

ii) संचार के विभिन्न प्रारूपों की चर्चा कीजिए। 10

iii) परामर्श में शामिल प्रक्रिया की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

iv) नशा मुक्ति के लिए विभिन्न सामाजिक उपचार तौर–तरीकों को समझाइए। 10

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) **150** शब्दों में दीजिए।

i) नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ राष्ट्रीय नियमों की भूमिका पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

ii) समूह संचार में नेता की भूमिका एवं कार्य को समझाइए। 5

iii) मनोचिकित्सा और परामर्श में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

iv) सामान्य यौन मिथकों और गलत धारणाओं को समझाइए। 5

v) एच.आई.वी. संबंधित परामर्श के कुछ प्रकारों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

vi) एस.टी.डी. परामर्श की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

5 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए।

i) मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अपराध 4

ii) सह–निर्भरता 4

iii) एक व्यसनी को पहचानने के तरीके 4

iv) फ्लैनलग्राफ (Flannelgraph) 4

v) नेतृत्व की शैलियाँ 4

vi) संकट परामर्श 4

vii) अनाचार 4

viii) लोक मीडिया की विशेषताएँ